# Understanding Interest । ब्याज को समझना

#### English Explanation:

Interest is the extra money you earn when you save or invest, or the extra money you pay when you borrow money. It is a key part of all financial activities — from loans to savings accounts.

There are **two main types of interest**:

#### 1. Simple Interest (SI)

- **Definition**: Interest is calculated only on the original amount (called the *principal*).

Simple Interest = (Principal × Rate × Time) / 100

• Example:

```
If you deposit ₹1000 at 5% annual interest for 2 years:
SI = (1000 \times 5 \times 2) / 100 = ₹100
So, total return = ₹1100
```

**Used In**: Short-term loans, some bank deposits.

#### 2. Compound Interest (CI)

- **Definition**: Interest is calculated on both the *principal* and the *interest already earned*.
- Formula:

Compound Interest =  $P(1 + R/100)^T - P$ 

Example:

```
₹1000 at 5% annual compound interest for 2 years:
CI = 1000(1 + 0.05)^2 - 1000 = 102.50
So, total return = ₹1102.50
```

Used In: Fixed deposits, recurring deposits, investments (SIPs, PPF), loans with compounding.

### Why It Matters:

- For Savers: Compound interest helps your money grow faster over time.
- For Borrowers: Loans with compound interest can become expensive if not paid back quickly.
- In Real Life: Understanding how interest works helps you choose better bank accounts, investments, and loans.

# हिन्दी में समझाइए:

**ब्याज** वह अतिरिक्त पैसा होता है जो आप **सेविंग या निवेश** करने पर कमाते हैं, या जब आप **उधार लेते हैं** तब अतिरिक्त पैसा जो आपको चुकाना होता है। यह वित्तीय दुनिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

ब्याज दो मुख्य प्रकार का होता है:

#### 1. साधारण ब्याज (Simple Interest)

- परिभाषाः ब्याज केवल मूलधन (Principal) पर ही लगता है।
- **सूत्र**: साधारण ब्याज = (मूलधन × ब्याज दर × समय) / 100
- उदाहरणः

```
₹1000 को 5% वार्षिक ब्याज दर पर 2 वर्षों के लिए जमा किया जाए:
SI = (1000 × 5 × 2) / 100 = ₹100
कुल राशि = ₹1100
```

• प्रयोग में आता है: लघुकालिक ऋण, कुछ बैंक जमा योजनाएँ।

## 2. चक्रवृद्धि ब्याज (Compound Interest)

- परिभाषाः ब्याज मूलधन और पहले से मिले ब्याज पर भी लगता है।
- **सूत्र**: चक्रवृद्धि ब्याज = P(1 + R/100)^T – P
- उदाहरणः

```
₹1000 को 5% वार्षिक चक्रवृद्धि ब्याज पर 2 वर्षों के लिए जमा किया जाए:
CI = 1000(1 + 0.05)^2 — 1000 = ₹102.50
कुल राशि = ₹1102.50
```

• प्रयोग में आता है: फिक्स्ड डिपॉजिट, रेकरिंग डिपॉजिट, SIP, PPF, और ऋण।

# 🗸 यह क्यों ज़रूरी है:

- बचत करने वालों के लिए: चक्रवृद्धि ब्याज आपकी रकम को तेजी से बढ़ाता है।
- ऋण लेने वालों के लिए: यदि ऋण समय पर न चुकाया जाए, तो ब्याज बहुत बढ़ सकता है।
- व्यवहारिक जीवन में: ब्याज की समझ से आप सही निवेश और लोन चुन सकते हैं।